तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 141/2025)

प्रेस के लिए सूचना नोट

सत्यमेव जयते

भादूविप्रा
TRAI

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 28 नवंबर, 2025

(www.trai.gov.in)

31 अक्टूबर, 2025 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलेस*	वायरलाइन	कुल (वायरलेस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**954.99**	**44.82**	**999.81**
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**647.82**	**41.78**	**689.61**
अक्टूबर, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.35	0.15	0.50
मासिक वृद्धि दर	0.05%	0.35%	0.07%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**536.80**	**4.97**	**541.77**
अक्टूबर, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.95	0.00	1.94
मासिक वृद्धि दर	0.36%	-0.07%	0.36%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1184.62**	**46.75**	**1231.38**
अक्टूबर, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.30	0.14	2.44
मासिक वृद्धि दर	0.19%	0.30%	0.20%
समग्र दूरसंचार-घनत्व@	**83.47%**	**3.29%**	**86.76%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व@	126.50%	8.16%	134.66%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व@	59.17%	0.55%	59.72%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.69%	89.36%	56.00%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.31%	10.64%	44.00%

- अक्टूबर 2025 के माह में 15.05 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं।

- अक्टूबर 2025 के अंत तक सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1094.28 मिलियन थी।

नोट: -

* वायरलेस में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सदस्यता भी शामिल है।

@ 'भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट 2011-2036' से जनसंख्या के प्रक्षेपण के आधार पर।

VLR विज़िटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्त नाम है। विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए पीक वीएलआर की तिथियां अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।

इस प्रेस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

I. ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस

अक्टूबर 2025 महीने में 1,422 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या 995.63 मिलियन से बढ़कर 999.81 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 0.42% प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई हैः-

अक्टूबर, 2025 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

सेगमेंट	सब्सक्रिप्शन	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)		परिवर्तन दर (प्रतिशत)
		सितम्बर-25	अक्टूबर-25	
वायर्ड सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस** (डी.एस.एल., एफ.टी.टी.एक्स., ईथरनेट/एल.ए.न, केबल मॉडेम, आई.एल.एल)	44.40	44.82	0.94%
वायरलेस सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस** (एफ.डब्ल्यू.ए.-5जी, वाई-फाई, वाई-मैक्स, रेडियो/यूबीआर, सैटेलाइट)	12.31	13.18	7.04%
	मोबाइल वायरलेस एक्सेस (हैंडसेट/डोंगल आधारित-3जी, 4जी, 5जी)	938.92	941.82	0.31%
कुल		**995.63**	**999.81**	**0.42%**

31 अक्टूबर, 2025 के अंत तक सबसे बड़े पांच (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	508.34
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	312.53
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	127.22
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	34.39
5.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.35
पांच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**98.50%**

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलेस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

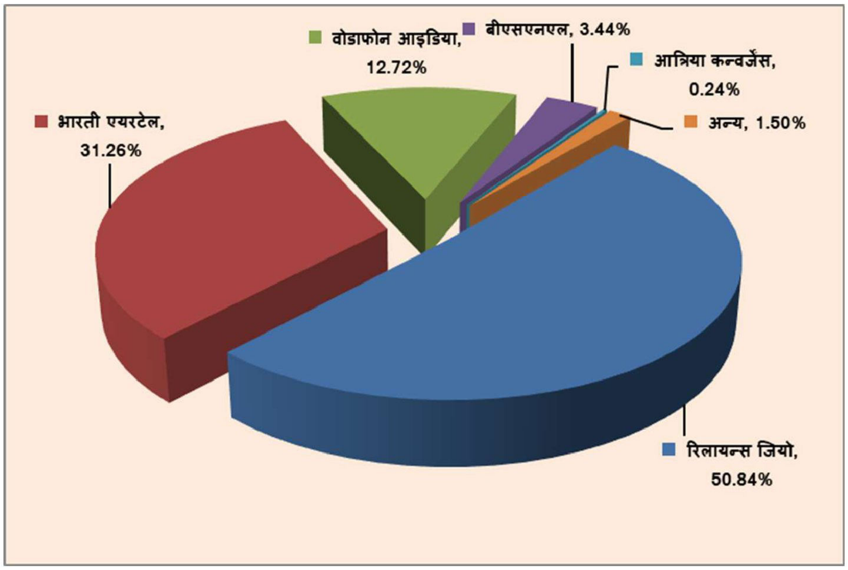

- **दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	13.41
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	9.91
3.	भारत संचार निगम लिमिटेड	4.42
4.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.35
5.	केरला विजन ब्रॉडबैंड लिमिटेड	1.43
पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**70.31%**

- **दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	494.93
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	302.62
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	127.22
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	29.96
5.	आईबस वर्चुअल नेटवर्क सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.12
पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**99.99%**

II. वायरलाइन टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

- वायरलाइन सब्सक्राइबरों की कुल संख्या 30 सितम्बर 2025 को 46.61 मिलियन से बढ़कर 31 अक्टूबर, 2025 को 46.75 मिलियन हो गई। इस माह में 0.30% की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में 0.14 मिलियन की वृद्धि दर्ज की गई।

- भारत में कुल वायरलाइन टेली-घनत्व सितम्बर 2025 के अंत में 3.287% से बढ़कर अक्टूबर 2025 के अंत में 3.294% हो गई। इसी अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व क्रमशः 8.16% और 0.55% था। अक्टूबर 2025 के अंत में कुल वायरलाइन सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 89.36% और 10.64% थी।

- 31 अक्टूबर 2025 के अंत में तीनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल, एमटीएनएल तथा एपीएसएफएल के पास वायरलाइन बाजार की 20.22% हिस्सेदारी थी। वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस की बाजार हिस्सेदारी

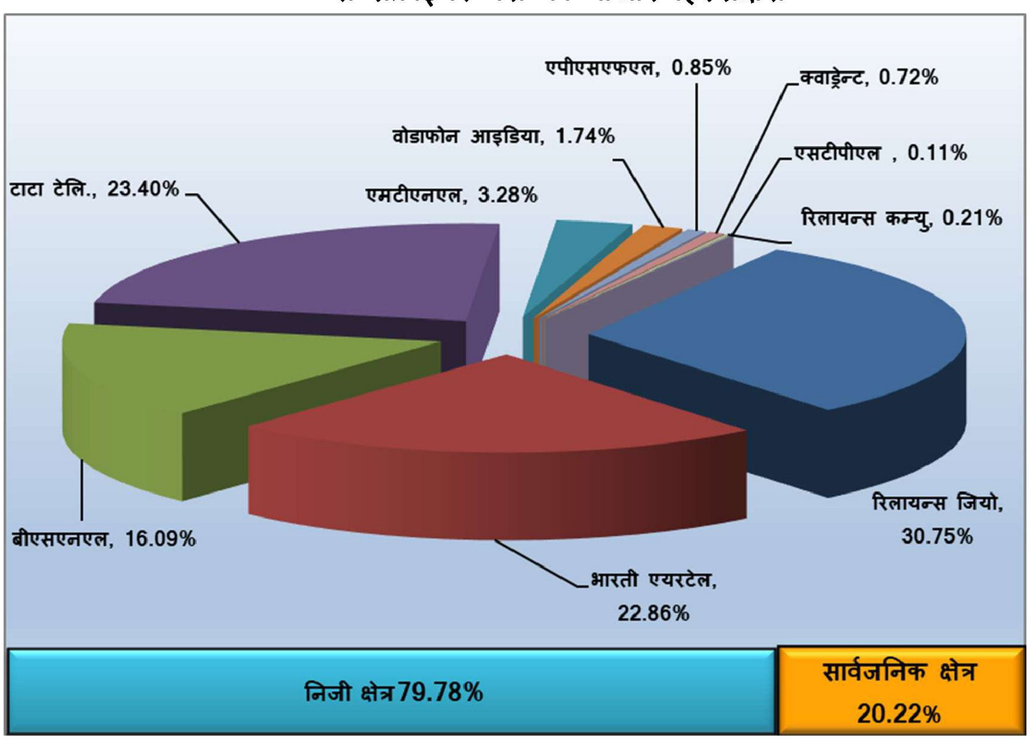

अक्टूबर, 2025 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए सब्सक्राइबर

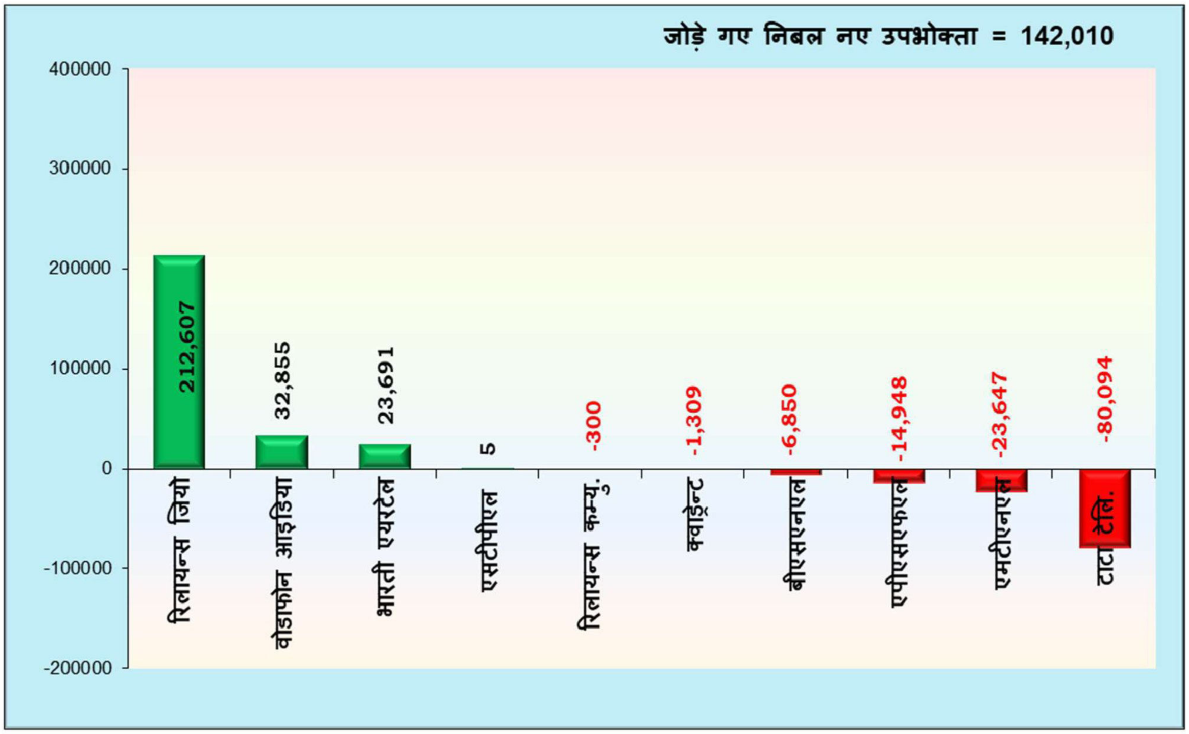

III. वायरलेस टेलीफोन (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- कुल वायरलेस (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या सितम्बर 2025 को 1,182.32 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर 2025 को 1,184.62 मिलियन हो गई, जिससे 0.19% की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस सब्सक्रिप्शन 30 सितम्बर 2025 को 647.47 मिलियन से बढ़कर, 31 अक्टूबर 2025 को 647.82 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन 534.85 मिलियन से बढ़कर 536.80 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.05% और 0.36% थी।

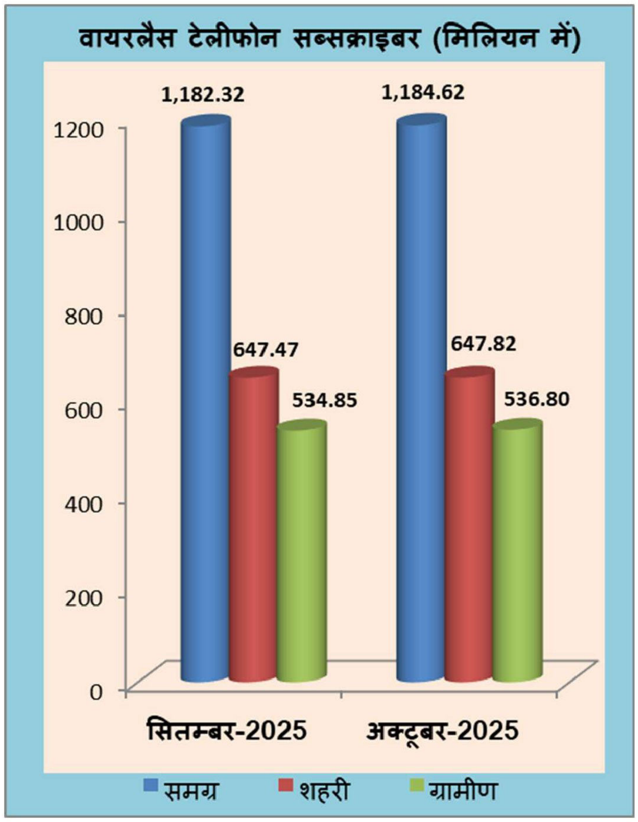

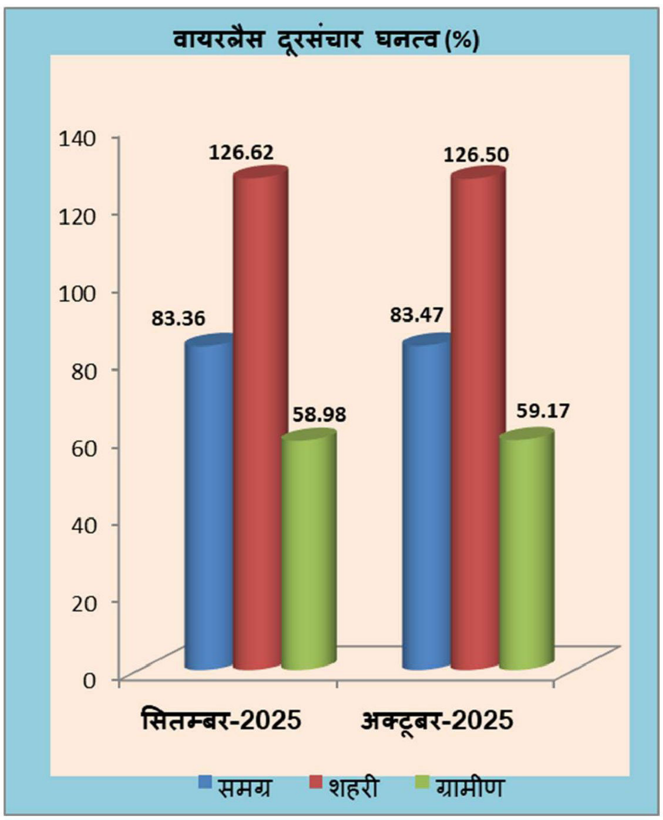

- भारत में वायरलेस टेली-घनत्व सितम्बर 2025 के अंत में 83.36% से बढ़कर अक्टूबर 2025 के अंत में 83.47% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व सितम्बर 2025 के अंत में 126.62% से घटकर अक्टूबर 2025 के अंत में 126.50% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 58.98% से बढ़कर 59.17% हो गया। अक्टूबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.69% और 45.31% थी।

वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों और वायरलेस (एफडब्ल्यूए) ग्राहकों का विवरण नीचे दिया गया है: -

(ए) वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस

• कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या सितम्बर 2025 के अंत में 1,170.44 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर 2025 के अंत में 1,171.87 मिलियन हो गए, जिससे मासिक वृद्धि दर 0.12% दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन सितम्बर 2025 के अंत में 640.17 मिलियन से घटकर अक्टूबर 2025 के अंत में 639.99 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन 530.27 मिलियन से बढ़कर 531.88 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः -0.03% और 0.30% थी।

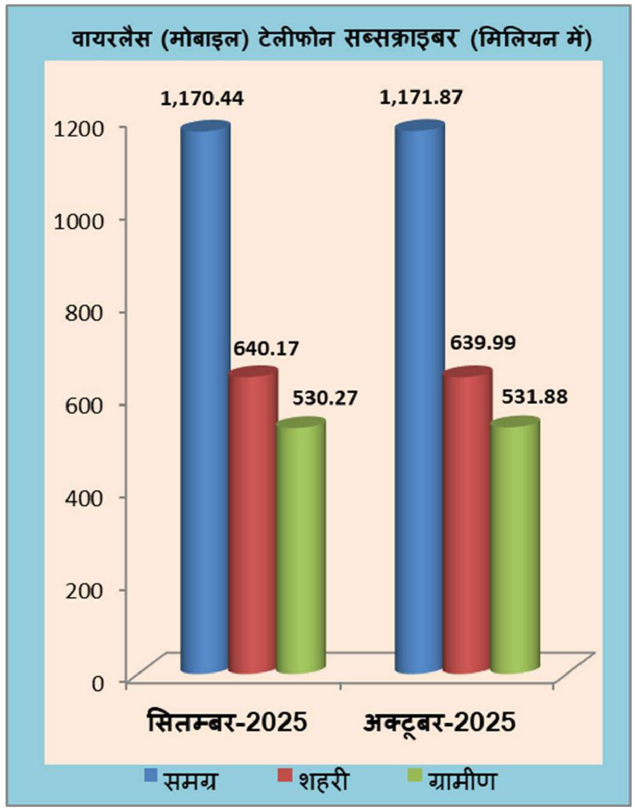

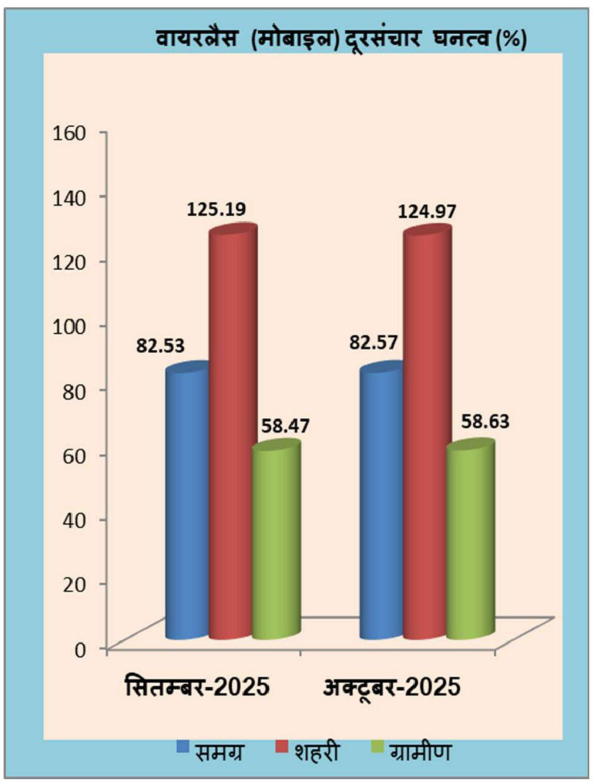

• भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व सितम्बर 2025 के अंत में 82.53% से बढ़कर अक्टूबर 2025 के अंत में 82.57% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व सितम्बर 2025 के अंत में 125.19% से घटकर अक्टूबर 2025 के अंत में 124.97% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 58.47% से बढ़कर 58.63% हो गया। अक्टूबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.61% और 45.39% थी।

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 अक्टूबर 2025 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 92.08% बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलीफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास 7.92% बाजार हिस्सेदारी थी।
- एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी और वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शुद्ध वृद्धि को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः -

31 अक्टूबर, 2025 तक वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं के संदर्भ में एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी

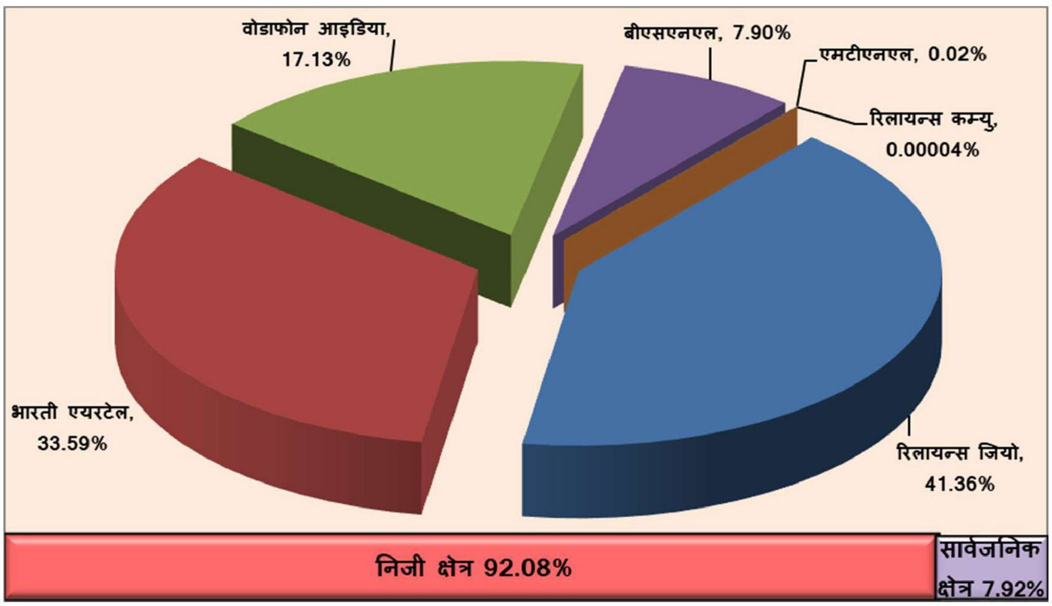

31 अक्टूबर, 2025 के महीने में एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि/कमी

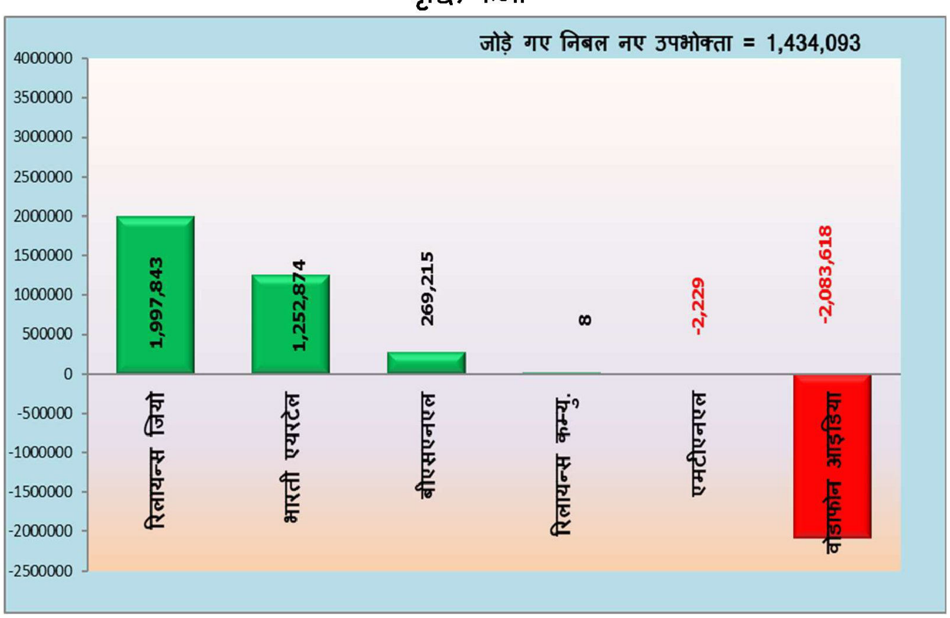

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों में वृद्धि

अक्टूबर, 2025 माह में वायरलेस सब्सक्राइबरों की प्रमुख एक्सेस सेवा प्रदातावार मासिक वृद्धि दर

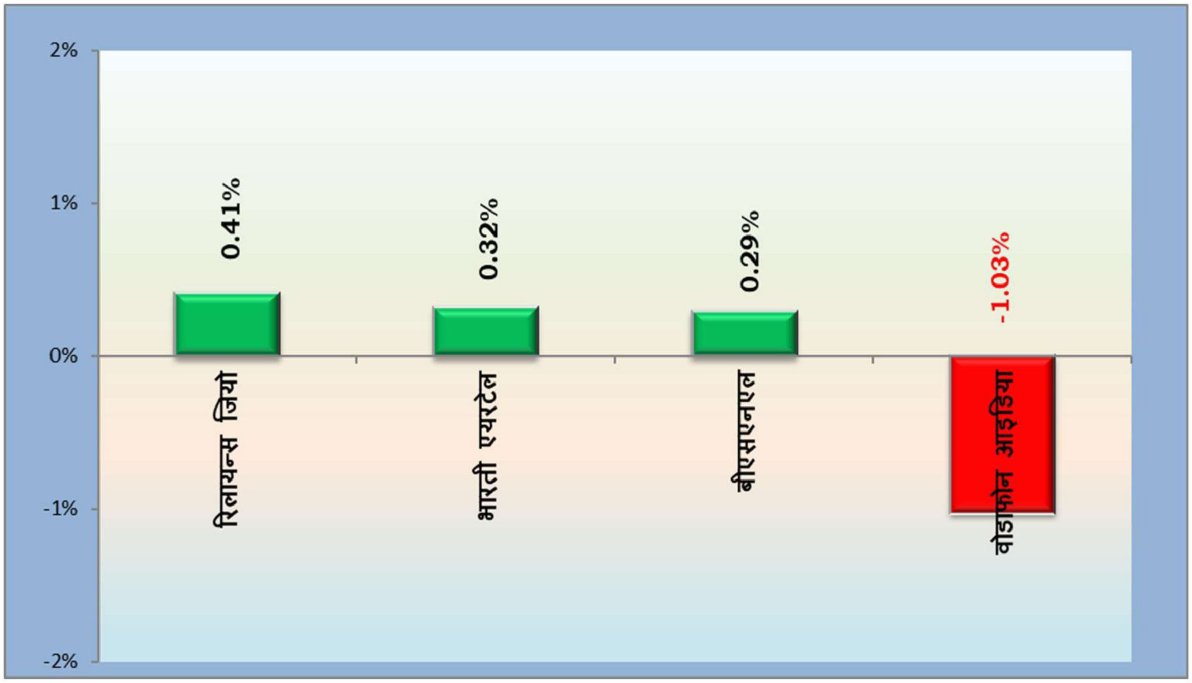

अक्टूबर, 2025 माह के दौरान लाइसेंस्ड सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में मासिक वृद्धि दर

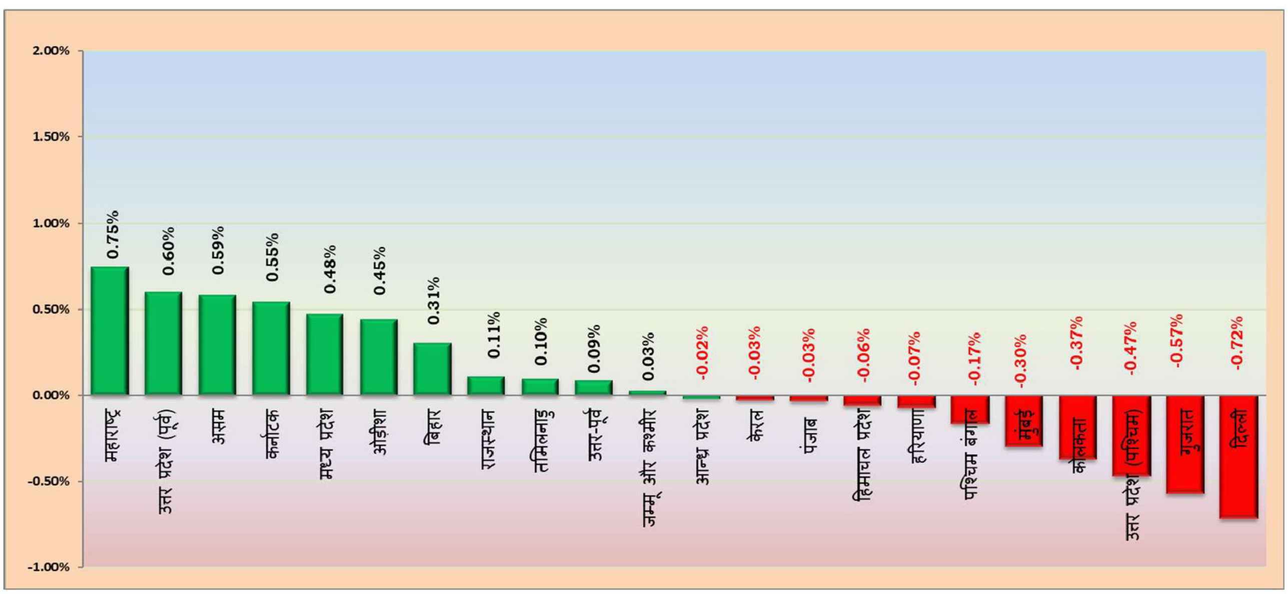

- अक्टूबर 2025 के दौरान आन्ध्र प्रदेश, केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, मुंबई, कोलकाता, उत्तर प्रदेश (पश्चिम), गुजरात और दिल्ली सेवा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी एल एस ए में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई।

- **(बी) वायरलेस (एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस**

  - वर्तमान में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) आधारित सेवाएं दो श्रेणियों के तहत प्रदान की जा रही है

    (a) 5जी एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए 5जी रेडियो एक्सेस तकनीकि का उपयोग करके; और

    (b) यूबीआर एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए बिना लाइसेंस वाले रेडियो बैंड (यूबीआर) तकनीक का उपयोग करके.

  - सितम्बर 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 9.40 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर 2025 के अंत में 9.91 मिलियन हो गई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्राइबरों की संख्या क्रमशः 5.81 मिलियन और 4.10 मिलियन थी। अक्टूबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 58.66% और 41.34% थी।
  - एल एस ए वार वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकडे **अनुलग्नक-5** पर उपलब्ध हैं।
  - रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड ने अगस्त 2025 से यूबीआर एफडब्ल्यूए ग्राहकों की संख्या की रिपोर्ट करना शुरू कर दिया है।
  - अक्टूबर 2025 के अंत तक यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्रिप्शन की संख्या 2.84 मिलियन थी, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन क्रमशः 2.01 मिलियन और 0.82 मिलियन थे। अक्टूबर 2025 के अंत तक कुल वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स की हिस्सेदारी क्रमशः 71.10% और 28.90% थी।
  - एल एस ए वार वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) ग्राहक आधार की जानकारी **अनुलग्नक-6** पर उपलब्ध है।

IV. एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन

एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या सितम्बर 2025 के अंत में 94.57 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2025 के अंत में 98.87 मिलियन हो गई।

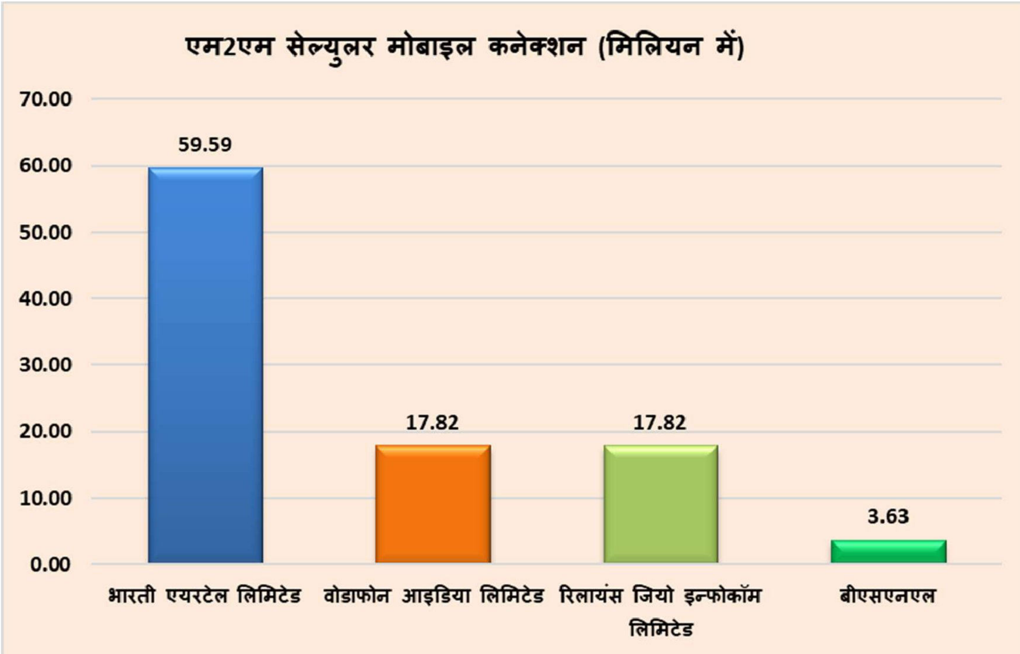

भारती एयरटेल लिमिटेड के पास 60.28% की बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन 59.59 मिलियन हैं, इसके बाद वोडाफोन आइडिया लिमिटेड, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड और बीएसएनएल के पास क्रमशः 18.02%, 18.02% और 3.68% की बाजार हिस्सेदारी है।

V. कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

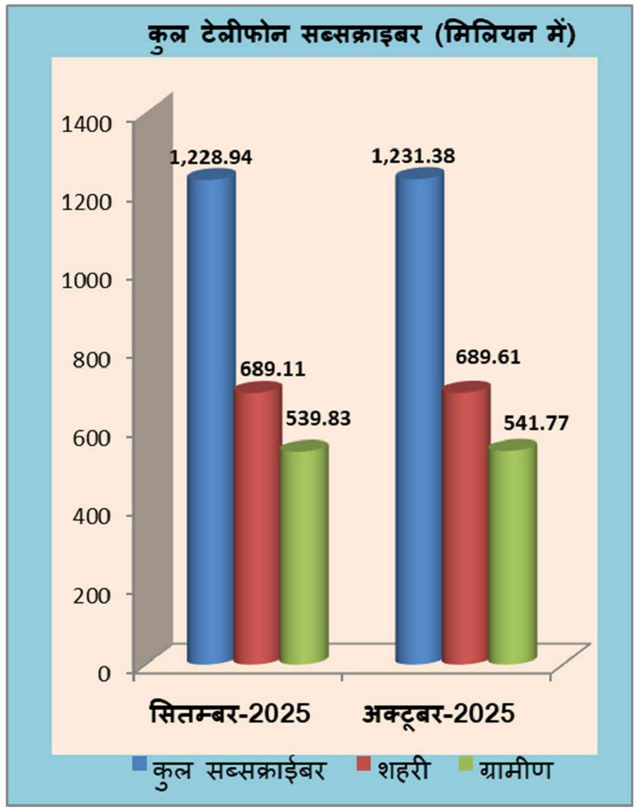

- सितम्बर 2025 के अंत तक देश में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 1,228.94 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2025 के अंत तक 1,231.38 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.20% प्रतिशत दर्ज की गयी। सितम्बर 2025 के अंत तक शहरी सब्सक्राइबरों की संख्या 689.11 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2025 के अंत तक 689.61 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबरों की संख्या 539.83 मिलियन से बढ़कर 541.77 मिलियन हो गई। अक्टूबर 2025 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण सब्सक्राइबरों की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.07% तथा 0.36% रही।

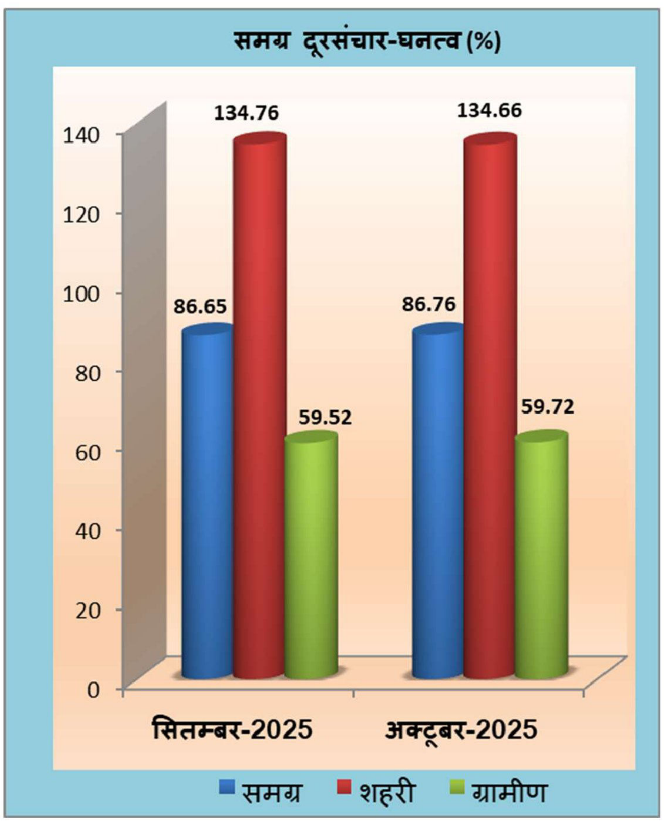

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व सितम्बर 2025 के अंत तक 86.65% से बढ़कर अक्टूबर 2025 के अंत तक 86.76% हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व सितम्बर 2025 के अंत तक 134.76% से घटकर अक्टूबर 2025 के अंत तक 134.66% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व 59.52% से बढ़कर 59.72% हो गया। अक्टूबर 2025 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 56.00% तथा 44.00% थी।

दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि अक्टूबर 2025 के अंत में आठ एल एस ए में टेली-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली एल एस ए में अधिकतम टेली-घनत्व 277.10% रहा और इसी दौरान बिहार एल एस ए में न्यूनतम टेली-घनत्व 58.18% रहा।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

VI. सब्सक्राइबर बेस में श्रेणीवार वृद्धि

अक्टूबर 2025 माह में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	अक्टूबर, 2025 के माह में जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर		दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 की स्थिति के अनुसार सब्सक्राइबर की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	43,660	1,034,722	19,951,108	394,498,808
श्रेणी – ख	86,357	1,023,091	11,293,406	478,855,199
श्रेणी - ग	53,387	766,098	3,419,854	197,456,044
महानगर	-41,394	-527,205	12,089,984	113,810,846
अखिल भारतीय	**142,010**	**2,296,706**	**46,754,352**	**1,184,620,897**

*वायरलेस में एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

अक्टूबर, 2025 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (सितम्बर, 2025 से अक्टूबर, 2025)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अक्टूबर, 2024 से अक्टूबर, 2025)	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी – क	0.22%	0.26%	36.93%	2.85%
श्रेणी – ख	0.77%	0.21%	7.03%	2.82%
श्रेणी - ग	1.59%	0.39%	7.71%	5.01%
महानगर	-0.34%	-0.46%	27.41%	0.65%
अखिल भारतीय	**0.30%**	**0.19%**	**23.73%**	**2.97%**

*वायरलेस में एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं।

- जैसा कि ऊपर दी गई तालिकाओं में देखा जा सकता है, वायरलेस सेगमेंट में अक्टूबर 2025 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर, महानगर श्रेणी को छोड़कर, अन्य सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।
- वायरलाइन सेगमेंट में अक्टूबर 2025 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर, महानगर श्रेणी को छोड़कर, अन्य सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।

VII. सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (वीएलआर आंकड़े)

- अक्टूबर 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या 1171.87 मिलियन में से 1094.28 मिलियन वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर सक्रिय थे। कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर का अनुपात लगभग 93.38 प्रतिशत था।

- अक्टूबर 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर (जिसे वीएलआर सब्सक्राइबर भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर सब्सक्राइबर की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

अक्टूबर, 2025 माह के दौरान शीर्ष चार टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

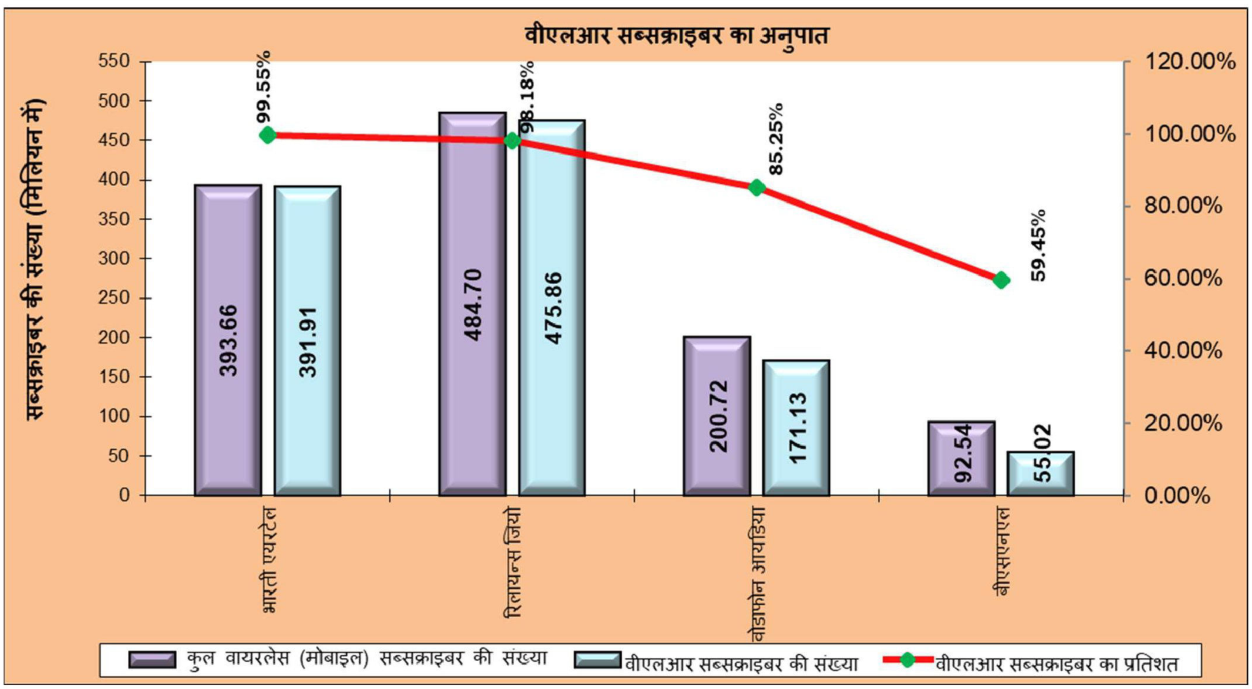

- अक्टूबर 2025 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 99.55% है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान बीएसएनएल के वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 59.45% अर्थात् न्यूनतम रहा।

अक्टूबर 2025 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

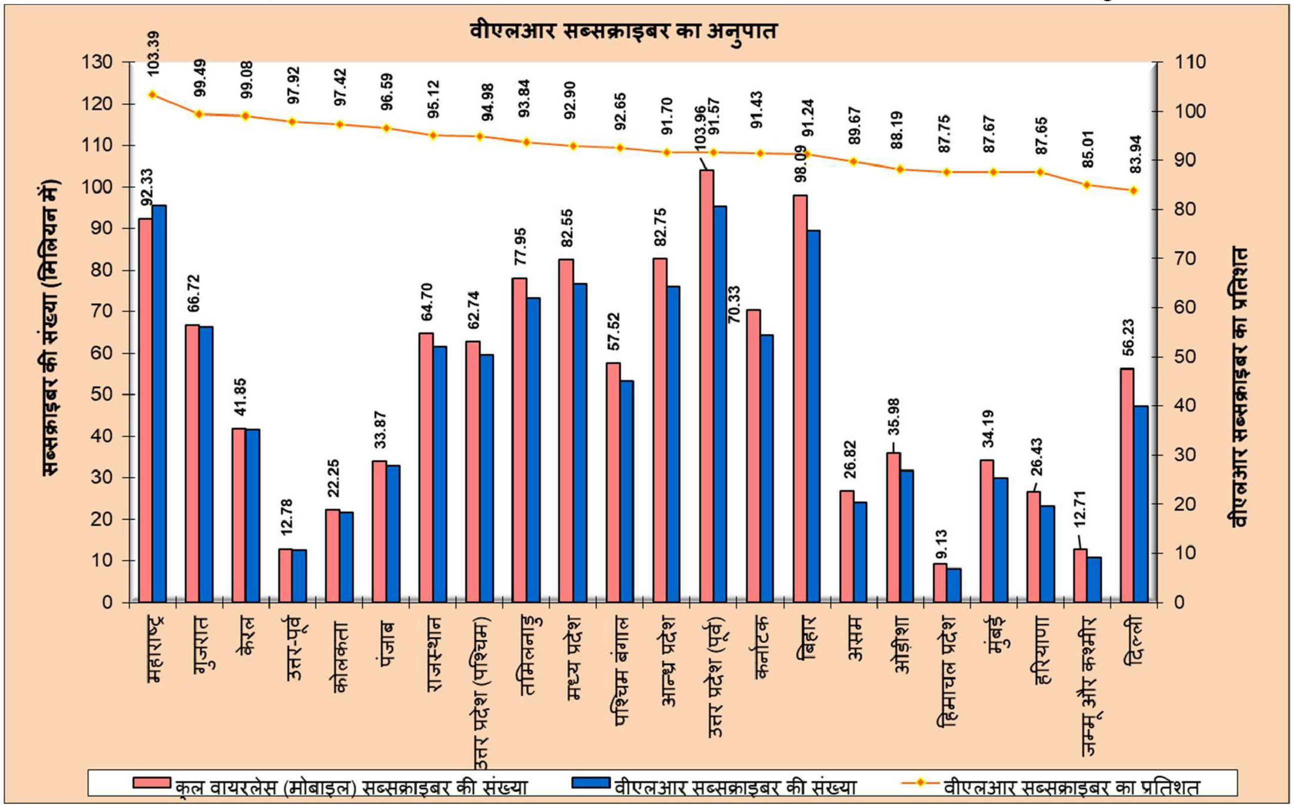

VIII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- भारत में, अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबर एक एल एस ए से दूसरे एल एस ए में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- अक्टूबर 2025 के माह में 15.05 मिलियन टेलीफोन सब्सक्राइबर से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 15.05 मिलियन अनुरोधों में से 8.40 मिलियन अनुरोध जोन-। से तथा 6.65 मिलियन अनुरोध जोन-।। से प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-। (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) उत्तर प्रदेश-पूर्व एल एस ए में (2.24 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पश्चिम एल एस ए में (1.47 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में (1.40 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद बिहार सेवा क्षेत्र में (1.27 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

लाइसेंस्ड सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-I			जोन-II		
सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)		सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)	
	सितम्बर, 2025	अक्टूबर, 2025		सितम्बर, 2025	अक्टूबर, 2025
दिल्ली	0.75	0.66	आन्ध्र प्रदेश	0.70	0.69
गुजरात	1.02	0.98	असम	0.12	0.12
हरियाणा	0.45	0.43	बिहार	1.41	1.27
हिमाचल प्रदेश	0.06	0.05	कर्नाटक	0.63	0.62
जम्मू और कश्मीर	0.07	0.06	केरल	0.25	0.26
महाराष्ट्र	1.06	1.08	कोलकाता	0.19	0.19
मुंबई	0.28	0.27	मध्य प्रदेश	1.39	1.40
पंजाब	0.41	0.38	उत्तर-पूर्व	0.03	0.03
राजस्थान	0.80	0.78	ओड़ीशा	0.24	0.25
उत्तर प्रदेश-पूर्व	2.08	2.24	तमिलनाडु	0.60	0.57
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	1.45	1.47	पश्चिम बंगाल	1.12	1.24
कुल	**8.45**	**8.40**	**कुल**	**6.68**	**6.65**
कुल (जोन-I + जोन-II)				15.13	15.05

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (एनएसएल-II),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, टॉवर-एफ, नौरोजी नगर,
नई दिल्ली-110029.
फोन-011-20907758
ई-मेलः advmn@trai.gov.in

SHEO BHADRA SINGH
Digitally signed by SHEO BHADRA SINGH
Date: 2025.11.28 16:51:01 +05'30'

(एस. बी. सिंह)
प्रधान सलाहकार (एनएसएल), भा.दू.वि.प्रा.

वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक-1

एल एस ए	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि.		क्वाड्रेन्ट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो		एसटीपीएल		एपीएसएफएल		कुल		शुद्ध योग
	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	
आन्ध्र प्रदेश	659,304	654,039			922,835	927,026	14,907	14,901	1,042,299	1,045,861			82,430	81,760	1,828,150	1,871,489			410,705	395,757	4,960,630	4,990,833	30203
असम	100,187	101,399			73,180	73,070	-	-					2,120	2,110	232,275	235,418					407,762	411,997	4235
बिहार	166,623	170,752			401,457	403,706	9	9	56,296	60,362			5,029	4,679	695,455	712,170					1,324,869	1,351,678	26809
दिल्ली	-	-	723,859	711,904	2,393,996	2,397,308	12,081	12,108	1,000,867	969,460			89,857	90,742	1,124,276	1,128,843					5,344,936	5,310,365	-34571
गुजरात	464,372	460,823			337,332	338,409	2,410	2,383	756,537	748,396			95,636	106,381	847,632	863,339					2,503,919	2,519,731	15812
हरियाणा	367,264	371,108			220,693	223,181	-	-	175,621	172,421			360	360	170,859	172,565					934,797	939,635	4838
हिमाचल प्रदेश	97,425	97,822			25,199	25,016	-	-	4,138	4,138			60	60	75,304	76,613					202,126	203,649	1523
जम्मू और कश्मीर	49,711	49,078			143,931	146,008	-	-					30	30	257,050	261,035					450,722	456,151	5429
कर्नाटक	664,111	663,195			1,297,467	1,301,751	11,659	11,660	2,629,982	2,598,998			170,554	190,924	1,104,256	1,117,242					5,878,029	5,883,770	5741
केरल	1,201,673	1,203,892			139,075	140,604	2,312	2,282	96,043	94,824			6,347	6,357	391,901	396,351					1,837,351	1,844,310	6959
कोलकता	229,597	228,567			220,842	221,822	2,517	2,517	369,772	366,772			12,447	12,417	608,625	617,737					1,443,800	1,449,832	6032
मध्य प्रदेश	306,843	306,618			611,990	611,714	5	5	100,061	102,132			48,082	50,392	1,023,678	1,043,562					2,090,659	2,114,423	23764
महाराष्ट्र	639,885	636,000			621,690	615,509	6,440	6,470	1,044,733	1,042,862			18,798	18,568	354,840	357,488					2,686,386	2,676,897	-9489
मुंबई	2,162	2,162	834,351	822,659	635,077	635,175	30,492	30,310	2,622,649	2,622,809			185,836	185,416	1,032,075	1,031,256					5,342,642	5,329,787	-12855
उत्तर-पूर्व	60,456	60,937			180	180	-	-					450	450	229,709	233,176					290,795	294,743	3948
ओड़ीशा	156,645	159,711			96,961	97,231	4	4	94,494	95,946			3,182	3,167	338,907	345,577					690,193	701,636	11443
पंजाब	556,411	557,465			414,217	417,201	1,501	1,499	61,312	60,490	338,437	337,128	1,000	1,090	440,595	445,533	51,339	51,344			1,864,812	1,871,750	6938
राजस्थान	296,812	295,747			350,088	353,334	2,995	3,056	85,442	84,982			10,225	10,215	543,211	556,369					1,288,773	1,303,703	14930
तमिलनाडु	974,168	971,772			1,062,806	1,068,794	9,135	8,954	797,523	786,372			29,065	29,225	1,005,787	1,014,760					3,878,484	3,879,877	1393
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	140,031	140,905			355,439	353,905	20	29	51,118	50,718			16,112	16,142	710,054	723,196					1,272,774	1,284,895	12121
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	213,849	213,328			243,638	242,538	7	7	24,403	25,653			3,212	3,202	806,742	821,865					1,291,851	1,306,593	14742
पश्चिम बंगाल	182,132	177,491			93,997	92,299	21	21	7,316	7,316			150	150	342,416	350,820					626,032	628,097	2065
कुल	**7,529,661**	**7,522,811**	**1,558,210**	**1,534,563**	**10,662,090**	**10,685,781**	**96,515**	**96,215**	**11,020,606**	**10,940,512**	**338,437**	**337,128**	**780,982**	**813,837**	**14,163,797**	**14,376,404**	**51,339**	**51,344**	**410,705**	**395,757**	**46,612,342**	**46,754,352**	142010
शुद्ध योग		-6850		-23647		23691		-300		-80094		-1309		32855		212607		5		-14948		142010	
ग्रामीण ग्राहक	2,186,589	2,197,011	29	22	2,972	3,128	300	300	1,438,943	1,417,044	164,927	165,172	-	-	941,405	951,132	-	-	241,156	239,168	4,976,321	4,972,977	-3344

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक-2

एल एस ए	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायन्स जियो		कुल		शुद्ध योग
	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	
आन्ध्र प्रदेश	34,363,642	34,443,470	-	-	9,379,273	9,198,537	7,225,948	7,335,332			31,798,288	31,775,033	**82,767,151**	**82,752,372**	-14779
असम	12,420,302	12,468,673			1,447,675	1,452,957	3,002,586	3,003,459			9,794,863	9,896,444	**26,665,426**	**26,821,533**	156107
बिहार	41,104,423	41,248,348	-	-	7,834,785	7,685,423	5,668,882	5,661,772			43,176,952	43,490,955	**97,785,042**	**98,086,498**	301456
दिल्ली	19,167,041	19,214,168	2	2	17,025,337	16,598,440			139,856	139,399	20,304,682	20,279,084	**56,636,918**	**56,231,093**	-405825
गुजरात	12,650,628	12,732,415	1	1	19,430,077	19,113,909	3,287,659	3,295,586			31,733,090	31,576,652	**67,101,455**	**66,718,563**	-382892
हरियाणा	7,401,581	7,444,847	-	-	6,239,824	6,209,165	4,391,910	4,423,576			8,416,992	8,354,258	**26,450,307**	**26,431,846**	-18461
हिमाचल प्रदेश	3,637,680	3,623,693	-	-	387,143	385,878	1,750,572	1,759,107			3,359,847	3,361,093	**9,135,242**	**9,129,771**	-5471
जम्मू और कश्मीर	6,329,892	6,339,919	-	-	253,008	251,568	864,383	864,947			5,255,130	5,249,849	**12,702,413**	**12,706,283**	3870
कर्नाटक	32,550,788	32,596,945	392	383	7,124,815	7,281,360	4,621,271	4,653,548			25,651,387	25,797,720	**69,948,653**	**70,329,956**	381303
केरल	9,236,441	9,235,215	4	3	12,763,783	12,741,962	8,912,373	8,931,766			10,947,296	10,939,431	**41,859,897**	**41,848,377**	-11520
कोलकता	5,288,622	5,267,279	-	-	4,749,947	4,700,853	1,421,518	1,415,911			10,874,931	10,868,041	**22,335,018**	**22,252,084**	-82934
मध्य प्रदेश	16,801,295	16,828,095	-	-	13,100,708	12,988,382	5,105,300	5,128,929			47,153,670	47,607,039	**82,160,973**	**82,552,445**	391472
महाराष्ट्र	22,969,710	23,144,905	-	-	20,462,963	20,496,736	5,304,322	5,310,770			42,907,222	43,377,448	**91,644,217**	**92,329,859**	685642
मुंबई	10,075,231	10,068,845	50	68	10,778,948	10,756,146			105,785	104,013	13,333,190	13,262,021	**34,293,204**	**34,191,093**	-102111
उत्तर-पूर्व	6,458,088	6,462,922	-	-	618,037	613,933	1,280,227	1,284,548			4,411,717	4,418,467	**12,768,069**	**12,779,870**	11801
ओड़ीशा	12,033,004	12,030,483	-	-	1,472,701	1,487,341	5,550,472	5,530,388			16,765,916	16,933,690	**35,822,093**	**35,981,902**	159809
पंजाब	12,549,702	12,620,777	6	5	5,759,358	5,705,799	4,081,122	4,088,155			11,488,426	11,452,104	**33,878,614**	**33,866,840**	-11774
राजस्थान	23,303,298	23,360,767	50	50	8,684,024	8,571,497	5,720,028	5,731,546			26,919,616	27,035,669	**64,627,016**	**64,699,529**	72513
तमिलनाड	30,884,289	30,983,605	-	-	14,364,237	14,324,828	7,897,520	7,910,011			24,730,303	24,734,073	**77,876,349**	**77,952,517**	76168
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	35,831,594	35,979,827	-	-	15,838,669	15,744,055	8,385,422	8,403,483			43,278,138	43,828,277	**103,333,823**	**103,955,642**	621819
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	18,838,986	18,981,227	-	-	13,886,112	13,458,556	5,171,470	5,171,874			25,135,836	25,124,205	**63,032,404**	**62,735,862**	-296542
पश्चिम बंगाल	18,515,802	18,588,488	8	9	11,205,365	10,955,846	2,629,799	2,637,291			25,265,384	25,339,166	**57,616,358**	**57,520,800**	-95558
कुल	**392,412,039**	**393,664,913**	**513**	**521**	**202,806,789**	**200,723,171**	**92,272,784**	**92,541,999**	**245,641**	**243,412**	**482,702,876**	**484,700,719**	**1,170,440,642**	**1,171,874,735**	**1434093**
शुद्ध योग		**1,252,874**		**8**		**-2083618**		**269215**		**-2229**		**1,997,843**	**0**	**1434093**	
ग्रामीण ग्राहक	191,095,031	193,351,401	-	-	96,416,472	95,037,487	30,567,357	30,694,390	2,923	2,914	212,187,327	212,793,762	**530,269,110**	**531,879,954**	**1610844**

अनुलग्नक-3

अक्टूबर, 2025 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का एच एल आर के साथ अनुपात (प्रतिशत में)

एल एस ए	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल (सभी सेवा प्रदाताओं के लिए एक साथ)
आन्ध्र प्रदेश	97.00	65.03	94.50		-	91.30	**91.70**
असम	99.48	24.61	88.45		-	97.23	**89.67**
बिहार	90.52	35.99	86.81		-	99.89	**91.24**
दिल्ली	95.13		52.62	203.04	100.00	98.15	**83.94**
गुजरात	113.65	52.98	92.70		0.00	102.74	**99.49**
हरियाणा	102.73	28.53	92.69		-	101.75	**87.65**
हिमाचल प्रदेश	95.11	51.02	99.16		-	97.72	**87.75**
जम्मू और कश्मीर	95.51	59.81	85.23		-	76.46	**85.01**
कर्नाटक	97.26	69.23	70.91		100.00	93.86	**91.43**
केरल	100.25	113.59	93.27		-	93.02	**99.08**
कोलकता	102.96	93.56	87.40		-	99.58	**97.42**
मध्य प्रदेश	101.19	44.39	86.05		-	97.06	**92.90**
महाराष्ट्र	106.79	89.41	93.05		-	108.18	**103.39**
मुंबई	100.89		70.79	79.89	100.00	91.37	**87.67**
उत्तर-पूर्व	101.77	51.10	94.55		-	106.37	**97.92**
ओड़ीशा	101.57	44.16	85.45		-	93.31	**88.19**
पंजाब	112.32	46.50	91.64		100.00	99.60	**96.59**
राजस्थान	101.94	42.06	92.80		100.00	101.21	**95.12**
तमिलनाडु	97.36	89.36	80.17		-	98.79	**93.84**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	99.35	34.72	88.24		-	97.28	**91.57**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	107.27	36.33	92.53		-	99.08	**94.98**
पश्चिम बंगाल	94.20	77.97	89.35		100.00	94.47	**92.65**
कुल	**99.55**	**59.45**	**85.25**	**150.42**	**100.00**	**98.18**	**93.38**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-4

वायरलेस क्षेत्र में वीएलआर सब्सक्राइबर

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन सब्सक्राइबर की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक सब्सक्राइबर, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर सब्सक्राइबर के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का डाटा भेजता है।

सब्सक्राइबर की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (**बी**=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	सब्सक्राइबर को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**सब्सक्राइबर की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक

बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई सब्सक्राइबर एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि सब्सक्राइबर सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि सब्सक्राइबर ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित सब्सक्राइबर की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय सब्सक्राइबर के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका **72** घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

5G FWA सब्सक्राइबर की संख्या अनुलग्नक-5

एल एस ए	भारती एयरटेल		रिलायन्स जियो		कुल	
	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25	सितम्बर-25	अक्टूबर-25
आन्ध्र प्रदेश	215,756	235,361	599,670	628,014	**815,426**	**863,375**
असम	44,183	48,338	161,179	170,246	**205,362**	**218,584**
बिहार	96,264	107,879	561,780	595,045	**658,044**	**702,924**
दिल्ली	121,247	128,273	229,582	229,637	**350,829**	**357,910**
गुजरात	132,207	142,042	399,551	411,200	**531,758**	**553,242**
हरियाणा	64,018	68,274	203,503	211,262	**267,521**	**279,536**
हिमाचल प्रदेश	10,676	11,834	65,953	69,786	**76,629**	**81,620**
जम्मू और कश्मीर	38,231	42,175	156,266	162,516	**194,497**	**204,691**
कर्नाटक	204,945	221,813	374,894	385,631	**579,839**	**607,444**
केरल	43,696	47,624	149,111	158,936	**192,807**	**206,560**
कोलकता	71,499	75,003	157,683	158,927	**229,182**	**233,930**
मध्य प्रदेश	99,215	107,595	477,045	500,184	**576,260**	**607,779**
महाराष्ट्र	200,813	217,618	552,265	572,801	**753,078**	**790,419**
मुंबई	80,554	85,839	98,010	100,625	**178,564**	**186,464**
उत्तर-पूर्व	24,011	26,453	76,636	80,032	**100,647**	**106,485**
ओड़ीशा	51,423	56,595	243,924	259,012	**295,347**	**315,607**
पंजाब	108,409	117,678	436,901	454,094	**545,310**	**571,772**
राजस्थान	138,232	148,985	399,165	417,140	**537,397**	**566,125**
तमिलनाडु	281,917	305,779	336,760	347,520	**618,677**	**653,299**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	129,356	142,066	582,744	614,919	**712,100**	**756,985**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	103,117	112,806	458,132	479,234	**561,249**	**592,040**
पश्चिम बंगाल	59,707	64,758	362,568	389,107	**422,275**	**453,865**
कुल	**2,319,476**	**2,514,788**	**7,083,322**	**7,395,868**	**9,402,798**	**9,910,656**
शुद्ध योग		195,312		312,546		507,858
मासिक वृद्धि%		8.42%		4.41%		5.40%

अनुलग्नक-6

यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्राइबर बेस

सेवा प्रदाता →	**रिलायंस जियो ***	
↓एल एस ए	**सितम्बर-25**	**अक्टूबर-25**
आंध्र प्रदेश	190,118	222,266
असम	20,701	23,244
बिहार	167,960	189,771
दिल्ली	170,518	194,571
गुजरात	176,582	197,488
हरियाणा	112,972	130,192
हिमाचल प्रदेश	5,933	7,007
जम्मू और कश्मीर	46,375	54,076
कर्नाटक	145,001	169,096
केरल	7,106	7,657
कोलकाता	105,141	120,661
मध्य प्रदेश	138,837	161,513
महाराष्ट्र	203,764	233,554
मुंबई	38,677	43,040
उत्तर पूर्व	8,623	9,932
ओडिशा	31,543	36,246
पंजाब	154,435	173,244
राजस्थान	179,469	203,819
तमिलनाडु	112,018	125,358
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	176,285	199,506
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	213,255	246,608
पश्चिम बंगाल	75,438	86,657
कुल	**2,480,751**	**2,835,506**
नेट एडिशन		**354,755**
मासिक वृद्धि %		**14.30%**

* केवल रिलायंस जियो ने एफडब्ल्यूए-यूबीआर सब्सक्राइबर बेस की सूचना दी है